खबर संक्षेप

राशि अग्रवाल ने 12वीं में अर्जित किये 93% अंक

नारायणगंज। कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणगंज की छात्रा कुमारी राशि अगरवाल ने 12वीं कक्षा में 93 प्रतिशत अंक अर्जित कर अपने परिवार, विद्यालय का नाम रोशन किया ज्ञात हो आप राकेश प्रकाश चंद्र अग्रवाल पूर्व महामंत्री भाजपा एवं श्रीमती रेखा अग्रवाल की सुपुत्री हैं।

ग्राम का गौरव बना बिनैका हायर सेकंडरी स्कूल

मण्डला। ग्राम स्तर पर संचालित शासकीय हायर सेकंडरी स्कूल बिनैका ने एमपी बोर्ड परीक्षा 2025 में शानदार प्रदर्शन कर ग्राम सहित जिले का नाम रोशन किया है। विद्यालय प्रबंधन से प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा 10वीं में शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम प्राप्त हुआ है, जो जिले के लिए गर्व का विषय है। वहीं कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने भी 98 प्रतिशत सफलता दर के साथ उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं, जिससे विद्यालय में संचालित शिक्षण गुणवत्ता की स्पष्ट झलक मिलती है। विद्यालय के छात्र शिवांसू चंद्रोल ने गणित समूह में 95.2% अंक अर्जित कर जिले में तृतीय स्थान और विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस सफलता ने न केवल विद्यालय बल्कि सम्पूर्ण ग्राम को गौरवांवित किया है। विद्यालय के इस उपलब्धिपूर्ण परीक्षा परिणाम पर संस्था के प्रचार्य ए के जैन सहित समस्त शिक्षकों ने विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

होटलों, लॉज और अन्य स्थानों में की गई सघन जांच

अलर्ट पर पुलिस एवं प्रशासन

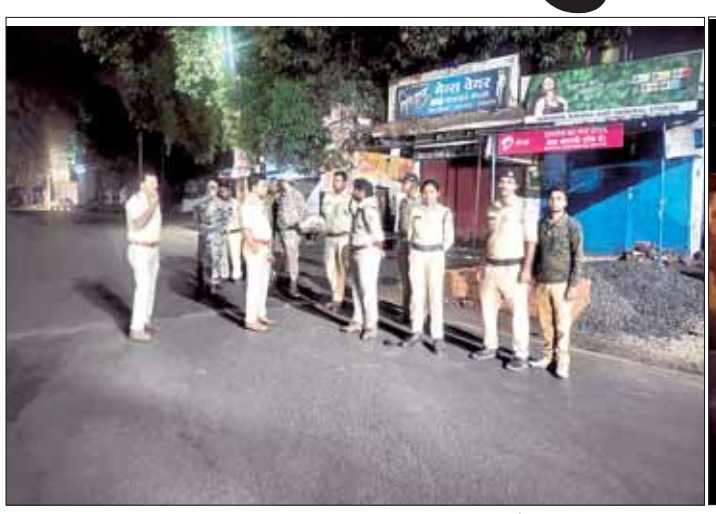

*** लोगों को भी सतर्क एवं सावधान रहने की आवश्यकता।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

भारत-पाकिस्तान के बीच बढे तनाव को लेकर सिविल डिफेंस भी अलर्ट पर है। इसको लेकर पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी जिलों की पुलिस के लिए एसओपी जारी किया गया। वहीं आमजन में सुरक्षा का भाव उत्पन्न करने एवं किसी भी भ्रामक जानकारी से बचने हेतु मंडला पुलिस भी पुरी रात अलर्ट पर रहकर आमजन को जागरुक किया गया। जिल में मौजूद थानों की पुलिस भी अपने अपने क्षेत्र में भ्रमण कर थाना क्षेत्र में मौजूद होटलों, लॉज, धर्मशाला, हॉस्टलों आदि की चैकिंग भी की गईं। साथ ही किसी भी तरह के भ्रामक मैसेज जिनसे सांप्रदायिकता फैल सकती है उस हेतु भी सोशल मीडिया पर लगातार नजर रखी जा रही है। विशिष्ट स्थलों जैसे कि रेलवे स्टेशन, नेशनल हाईवे, मनेरी इंडसट्रियल एरिया का सुरक्षा ऑडिट कर आवश्यकता अनुसार सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे है। स्थानीय स्तर पर उत्पन्न आकस्मिक परिस्थितियों से निपटने हेतु मॉक ड्रिल भी की जा रही है।

आयोजित हुई पुलिस की साप्ताहिक जनरल पेरड

पुलिस विभाग में परेड को अनुशासन की जड़ माना जाता है, परेड से पुलिस फोर्स का न केवल अनुशासन अच्छा होता है बल्कि इसके साथ ही उनमें टीम वर्क के रूप में कार्य करने की क्षमता बढ़ती है एवं शरीरिक व मानसिक रूप से स्वास्थ भी रहते है। साप्ताहिक जनरल परेड के क्रम में आज दिनांक 09 मई शुक्रवार को प्रातः पुलिस लाईन मंडला स्थित परेड ग्राउण्ड पर जनरल परेड का आयोजन किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा द्वारा परेड का निरीक्षण उपरांत प्लाटून वार परेड निरीक्षण कर पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों का टर्न आउट देखा एवं अच्छे टर्नआउट वाले पुलिस कर्मियों को पुरूष्कृत कर प्रोत्साहित किया। तत्पश्चात प्लाटून कमांडर द्वारा अपने-अपने प्लाटून को एकल रूप से परेड अभ्यास कराया गया। परेड के बाद एएसपी द्वारा क्वार्टर गार्ड, पुलिस लाईन के ऑफिस के रजिस्टर के संधारण का निरीक्षण किया गया। अलग अलग शाखाओं दिशा लर्निंग सेटर, वाहन शाखा व वाहनों के रखरखाव का भी निरीक्षण कर उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इस दौरान रक्षित निरीक्षक सुनील नागवंशी एवं पुलिस अधिकारी, कर्मचारीगण शामिल हुए।

सील बंद की कार्यवाही

वर्तमान स्थिति के मद्देनजर आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था एंव सतर्कता हेतु पुलिस अधीक्षक मंडला रजत सकलेचा के निर्देशन एवं अति.पुलिस अधीक्षक मंडला शिवकुमार वर्मा के मार्गदर्शन मे अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) नैनपुर आशुतोष महादेव ठाकुर एंव अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) नैनपुर मनीष राज, थाना प्रभारी नैनपुर बलदेव सिह मुजाल्दा एंव नायब तहसीलदार संदीप नागोसे की सयुक्त टीम ने थाना क्षेत्र नैनपुर के अंतगर्त ग्राम परसवाडा मे स्थित M/S LUCKY Drilling and Explosives की 2 मैगजीन लायसेंस क्र.E/CB /MP/21 /8 (E142011) एवं E/CB /MP/21 /9 (E142024) को चेक किया । उक्त चेकिंग के दौरान उक्त मैगजीन के संचालन मे गंभीर अनियमितता एंव निर्धारित मानको के पालन मे लापरवाही की जा रही थी जिसके चलते संयुक्त टीम द्वारा उक्त दोनो लायसेंसी मैगजीन को सीलबंद कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

आज से प्रारंभ हो रहा है चरित्र निर्माण शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

काशी विश्वनाथ वैदिक गुरूकुल के वार्षिकोत्सव के अवसर पर युवक व युवती चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन 10 मई से 16 मई तक किया जाना है संचालक आचार्य भीमदेव नैष्ठिक ने बताया कि इस शिविर में शिविरार्थियों को शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक उन्नति हेतु योगासन, प्राणायाम, ध्यान, कराटे, रस्सा मलखंब, स्तूप, कलारी पड्डू, अग्रिचक्र, अस्त्र-शस्त्र, लाठी, भाला, तलवार चलाना आदि का प्रशिक्षण दिया जायेगा साथ ही बौद्धिक उन्नति हेतु एवं उत्तम संस्कार हेतु सनातन वैदिक सिद्धान्तों का परिज्ञान कराया जायेगा। युवक व युवती इस शिविर में पहुंचकर इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाएं। शिविरार्थियों की भोजन आवास की व्यवस्था गुरुकुल की ओर से होगी। शिविरार्थी की आयु 10 वर्ष के ऊपर होनी चाहिए। शिविरार्थी अपने साथ पतली चादर नहाने धोने का सामान पेन कॉपी, टॉर्च, लाठी, थाली गिलास चम्मच साथ लायें। यहां गणवेश के लिए युक्त खाकी हॉफ पेंट, सेंडो बनियान, सफेद जूते, सफेद जुराब व युवती गणवेश के लिए सफेद सलवार सूट सफेद जूते व सफेद जुराब साथ लाने होंगें।

अलग-अलग होगी आवास व्यवस्था

चरित्र निर्माण शिविर में बालक-बालिकाओं दोनों शामिल हो रहे हैं बालकों के आवास की व्यवस्था वैदिक गुरूकुल परिसर एवं भवन में ही की गई है जबकि बालिकाओं के आवास की व्यवस्था रानी अवंती बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रावास में की गई है। इसके अलावा बाहर से आ रहे बालिकाओं का एक प्रशिक्षण पॉलीटेक्निक कॉलेज में भी आयोजित किया जा रहा है और इसी छात्रावास में उनके रहने की भी व्यवस्था की गई है।

आज के समय में सनातन संस्कृति पर जिस तरह चारों ओर से हमले हो रहे हैं उसे लेकर हम पर जिम्मेदारी बढ़ गई है आज हमारी नई पीढ़ी को शास्त्र एवं शस्त्र दोनों विधाओं में पारंगत होना होगा। बीते कुछ वर्षो में हम अपनी सनातन संस्कृति एवं गुरूकुल पद्धति की शिक्षा को भुला बैठे थे आज समय आ गया है हमें इसी परिपाटी को आगे बढ़ाना होगा हमें इतना सक्षम होना होगा कि हम किसी भी तरह के दुश्मन से न केवल अपनी रक्षा कर सकें बल्कि अपने परिवार एवं अपने समाज की भी रक्षा कर सकें। आज की नई पीढ़ी को यदि हम शस्त्र एवं शास्त्र की शिक्षा प्रारंभ से ही देंगे तो निश्चित रूप से वह तो सक्षम होगा ही साथ ही समाज भी सशक्त होगा। यह शिविर इसी उद्देश्य को लेकर आयोजित किया जा रहा है।

उपार्जन एवं खाद्यान्न ई-केवाईसी की वीसी के माध्यम से की गई समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

अपर मुख्य सचिव द्वारा रबी उपार्जन 2025 तथा खाद्यान्न ई-केवाईसी के विषय में समस्त संभाग आयुक्त एवं कलेक्टर्स की वीसी के माध्यम से समीक्षा की गई। इस दौरान खाद्यान्न ई-केवाईसी के लिए पूर्व में दी गई डेडलाईन 30 अप्रैल 2025 को बढ़ाकर 31 मई 2025 किए जाने की जानकारी देते हुए निर्देशित किया गया कि अंतिम तिथि से पहले शतप्रतिशत ईकेवाईसी कराया जाना सुनिश्चित कराएं। इसके लिए सभी जेएसओ प्रत्येक राशन दुकानों पर पीओएस के माध्यम से दैनिक आधार पर लक्ष्य तय करते हुए ईकेवाईसी के कार्य की मॉनिटरिंग करें। इस कार्य में सहकारिता तथा ग्रामीण आजीविका मिशन का सहयोग लें। उपार्जन के विषय में वीसी में निर्देशित किया गया कि खरीदे गए गेहूँ का तय समय सीमा में शतप्रतिशत परिवहन कराते हुए स्वीकृति कराएं, जिससे समय पर किसानों के खातों में भुगतान सुनिश्चित किया जा सके। मंडला एनआईसी में वीसी के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर श्री जेपी यादव, जिला आपूर्ति अधिकारी, सहकारिता प्रबंधक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्मार्ट पीडीएस से पहले ईकेवाईसी पूर्ण कराएं

वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के बाद सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि एक जून से स्मार्ट पीडीएस शुरू किया जा रहा है। जिन परिवारों का खाद्यान्न ईकेवाईसी नहीं होगा वह स्मार्ट पीडीएस के दौरान राशन से वंचित हो जायेंगे इसलिए आगामी 20 दिनों में अभियान चलाकर शतप्रतिशत खाद्यान्न ईकेवाईसी का कार्य पूर्ण कराएं। डीएसओ व्यक्तिगत रूप से सभी जेएसओ की मॉनिटरिंग करें। आवश्यकतानुसार सहकारिता और आजीविका मिशन का सहयोग लें। पिछले एक माह में ईकेवाईसी के कार्य में जिले की 62 दुकानों द्वारा कार्य नहीं किए जाने पर सीईओ जिला पंचायत ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि इस तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। गेहूं के परिवहन के संबंध में सीईओ ने निर्देशित किया कि आगामी एक सप्ताह में शतप्रतिशत परिवहन सुनिश्चित कराएं। परिवहन पश्चात स्वीकृति कराते हुए किसानों का भुगतान कराएं। उन्होंने सहकारिता प्रबंधक को निर्देशित करते हुए कहा कि जिन 45 धान मिलर्स की जाँच की जानी थी उनकी लम्बित जांच की रिपोर्ट शीघ्र भिजवाएं।

सफलता | **10वीं का परिणाम 88.23%, 12वीं का 94.2% फीसदी रहा।**

उत्कृष्ट स्कूल मोहगांव ने रचा इतिहास

*** परिणाम से पालकों में खुशी की लहर।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

विकासखंड मोहगांव अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट हायर सेकंडरी स्कूल मोहगांव का वर्ष 2025 का परीक्षा परिणाम अत्यंत सराहनीय रहा। हाईस्कूल (कक्षा 10वीं) का परिणाम 88.23% तथा हायर सेकेंडरी (कक्षा 12वीं) का परिणाम 94.2% रहा, जिससे समस्त क्षेत्र में प्रसन्नता की लहर दौड़ गई है।

कक्षा 10वीं के छात्र सुबाहु शैल उइके ने 89.6% अंक अर्जित कर न केवल अपने माता-पिता, बल्कि विद्यालय को भी गौरवान्वित किया है इस उपलब्धि पर प्रभारी प्राचार्य दीपक कछवाहा ने सुबाहु के पिता को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य कछवाहा ने परीक्षा में उत्तीर्ण सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि हमारे समर्पित शिक्षकों की मेहनत और विद्यार्थियों की लगन का परिणाम है उन्होंने कहा कि विद्यालय परिवार ने जिस तरह समर्पण के साथ कार्य किया, उसी का परिणाम है कि विद्यालय का नाम एक बार फिर गौरवपूर्ण स्थान पर है।

गौरतलब है कि कुछ वर्ष पूर्व तक विद्यालय का परीक्षा परिणाम निराशाजनक 30% तक पहुंच गया था। किंतु जबसे श्री कछवाहा ने प्रभारी प्राचार्य का कार्यभार संभाला, तब से विद्यालय में पढ़ाई पर विशेष ध्यान दिया गया। परिणामस्वरूप पिछले वर्ष 10वीं का रिजल्ट 91% और 12वीं का 71% रहा था। इस वर्ष और सुधार के साथ 10वीं का परिणाम 88.23% और 12वीं का 94.2% तक पहुंच गया।

विद्यालय की इस उत्कृष्ट सफलता पर विकासखंड शिक्षा समिति पदेन अध्यक्ष शिवकुमार मिश्र (अड्डू भैया) जनपद पंचायत मोहगाँव अध्यक्ष गतसिंह भवेदी पूर्व भाजपा मोहगांव मंडल अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य शिव पूषाम विकासखंड शिक्षा अधिकारी जेएस उईके सहित समस्त जनप्रतिनिधि मीडिया के समस्त पत्रकार साथी और क्षेत्रवासियों, अभिभावकों और शिक्षा प्रेमियों ने प्राचार्य दीपक कछवाहा एवं समस्त शिक्षक परिवार को हार्दिक बधाई दी है।

खबर संक्षेप

गांव के बेटा ने किया नाम रोशन

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। समीपस्थ ग्राम पचामा निवासी सुमित पिता राजेन्द्र लोधी द्वारा बीते हुये दिवस म.प्र. शिक्षा वोर्ड द्वारा घोषित किये गये कक्षा बारहवी परीक्षा परिणामों में 500 में से 392 लेकर 78.4 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की गई है। ज्ञात हो कि यह छात्र पीएमश्री राघव कृषि हायर सेकेण्डरी विद्यालय बोहानी में अध्ययनरत है। छात्र के सफलता पर शाला परिवार द्वारा उज्जबल भविष्य की कामना की गई है।

पारस ने बढ़ाया सांईखेड़ा का गौरव

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। नगर के सेन्ट्रल पब्लिक एकेडमी में अध्ययनरत पारस कुमार पिता संदीप जैन द्वारा कक्षा बारहवी कामर्स संकाय के वोर्ड परीक्षा में 84 .20 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की गई है। ज्ञात हो कि यह छात्र जहां मस्क्युलर डिस्ट्रोफी नामक बीमारी से पीड़ित होने के बाद भी अपने लक्ष्य को ध्यान देते हुये सफलता अर्जित करने में पीछे नही रहा है। छात्र की संफलता पर संस्था के संचालक राकेश शर्मा सहित अन्य ईष्ट मित्रों द्वारा पारस के उज्जबल भविष्य की कामना करते हुये हार्दिक बधाई दी गई।

भाई बहिन ने मिलकर संस्था सहित माता पिता का नाम किया रोशन

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। कहा जाता है कि जब बच्चों द्वारा लक्ष्य बनाते हुये पढ़ाई की जावे तो सफलता उनके कदम चूमने से नही चूकती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के इंद्रा कालोनी निवासी भाई बहिन द्वारा कक्षा दसवी व बारहवी के वोर्ड परीक्षा में साबित कर दिया गया है। बताया जाता है कि नगर के आदित्य पब्लिक स्कूल में अध्ययनरत अभियांश पिता डोलन सिंह कौरव द्वारा कक्षा दसवी की वोर्ड परीक्षा में 87.6 प्रतिशत अंक हासिल किये गये तो दूसरी ओर बहिन अंशिका पिता डोलन सिंह कौरव द्वारा कक्षा बारहवी की वोर्ड परीक्षा में 85.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुये दोनो भाई बहिन द्वारा प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल करते हुये अपनी संस्था के साथ साथ अपने माता पिता का नाम रोशन करने में कोई कसर नही छोडी गई है।

नम्रता का सुयश

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा के सेन्ट्रल पब्लिक एकेडमी में अध्ययनरत कुमारी नम्रता पिता राज बहादुर सिंह राजपूत द्वारा कक्षा बारहवी के वोर्ड परीक्षा में कुल 500 में से 460 अंक लेते हुये 92 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की गई है। छात्रा की सफलता पर शाला परिवार सहित अन्य लोगों द्वारा उज्जबल भविष्य की कामना की गई।

गौरव की सफलता

हरिभूमि न्यूज/चीचली। स्थानीय सन ब्राइट स्कूल में अध्ययनरत गौरव पिता महेन्द्र कौरव द्वारा कक्षा बारहवी की वोर्ड परीक्षा में 75.4 अंक हासिल करते हुये प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की गई है। छात्र की सफलता पर शाला परिवार सहित सामाजिक बंधुओं द्वारा उज्जबल भविष्य की कामना की गई।

कृष्णा ने किया नाम रोशन

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। नगर के सी एम राईज स्कूल की कक्षा दसवी में अध्ययनरत छात्र कृष्णा पिता मनोज अग्रवाल द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल की कक्षा दसवी वोर्ड परीक्षा मं 500 में से 475 अंक लेकर 95 प्रतिशत के साथ प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की गई है।

मापदंडों को दरकिनार करते हुये नगर में धडल्ले से जहां तहां खुल रहे शादी घरों को लेकर प्रशासन की भूमिका पर खड़े हो रहे सवाल, पार्किंग व्यवस्था तक नहीं

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय नगर में देखा जा रहा है कि लोगों द्वारा अपने निजी स्वार्थ व पैसा कमाने के चलते धड़ल्ले से निमय विरूद्व जहां तहां शादी घर खोलने से नही चूक रहे है। जबकि नियम के अनुसार शादी घरों के संचालन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो किसी भी शादी घर को खोलने के लिये शासन द्वारा निर्धारित माप दंड बनाये गये है और उनका पालन करते हुये शादी घरों का संचालन किया जाना जरूरी होती है। मगर जिम्मेदार अधिकारियों की कृपा दृष्टि कही जावे या फिर उदासीनता के परिणाम के चलते शायद की नगर में संचालित होने वाले इन शादी घरों में शासन के माप दंडो का पालन होते हुये देखा जा रहा हो..? मगर इसके बाद भी सच्चाई को नगर अंदाज करते हुये प्रशासन द्वारा जिस प्रकार से चुप्पी साधी जा रही है उसके चलते नगरवासियों के लिए परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि जब इन भवनों में शादी समारोह के आयोजन होते है तो मार्गों पर वाहन खड़े होने के कारण आमजन को परेशानियों से जूझना पड़ता है तो दूसरी ओर रहवासी क्षेत्रों में संचालित होने वाले इन शादी भवनों के चलते आसपास रहने वालों की राते कटना मुश्किल होने से नही चूक पाता है? जबकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि किसी भी शादी घर उस जगह पर होना चाहिए जिसमें आयोजन के दौरान होने वाले ध्वनि प्रदूषण से किसी व्यक्ति को परेशानी का सामना न करना पड़े। वही लोगों को अपने वाहन खड़े करने के लिए जहां अच्छी पार्किंग व्यवस्था होने के साथ साथ अन्य सुविधाएं भी उलब्ध रहना चाहिए, इसके आलवा शादी घरों का संचालन संबंधी शासन द्वारा जो नियम बनाये गये है उनके अनुसार म.प्र. भूमि विकास नियम के तहत किसी भी मैरिज गार्डन यानि की शादी घर के लिये न्यूनतम भूमि एक हैक्टेयर होना अनिवार्य है तथा उसमें सामने की ओर सड़क की न्यूनतम लंबाई

18 मीटर तथा परिसर का न्यूनतम हिस्सा सामने की ओर 40 मीटर होने के साथ साथ वाहन पार्किंग की व्यवस्था तो सबसे जरूरी होने के आलवा अन्य सुविधाएं भी जरूरी मानी जाती है। इन व्यवस्थाओं के बीच चलते हुये शायद ही नगर में कोई शादी घर मिल पायेगा..? क्योंकि नगर में जिस प्रकार से लोगों द्वारा अपने निजी स्वार्थ व कमाई के लालच को ध्यान में रखते हुये जहां तहां बनाये जा रहे शादी घरों के कारण उस क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों को अनेक प्रकार के परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो वही दूसरी रहवासी क्षेत्रों में संचालित होने वाले इन शादी घरों में रात रात भर होने वाले शोरगुल के चलते इस दिनों चल रही कालेज की परीक्षाओं के बीच बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होते हुये देखी जा रही है। जबकि नियम के अनुसार मा. उच्च न्यायालय के अनुसार रात्रि 10 बजे के बाद सभी प्रकार के ध्वनि यंत्रों में प्रतिबंध होने के बाद भी इन शादी घरों में रात रात भर ध्वनियंत्र चलते हुये देखे जाते है। वही दूसरी ओर पार्किंग व्यवस्था नही होने के कारण इन मैरिज गार्डनों में शादी समारोह आयोजित होते है तो मुख्य

सड़कों पर वाहनों के खड़े होने के कारण जाम की स्थिति निर्मित होने से विवाद की स्थिति पैदा होना आम बात बुन चुकी है? कुछ शादी घरों की सच्चाई तो इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां शादी घर मालिकों द्वारा पहले जिस भूमि को कालोनी बनाने की सोच के चलते लोगों को प्लाट बेचना शुरू किया गया था और कुछ प्लाट बिकने के बाद जब शेष प्लाट नही बिके तो उसी भूमि पर शादी घर बनाते हुये इन कालोनियों के प्लाट लेकर मकान बनाने वालों के लिये जिन्दगी भर के लिये मुश्बित खड़ी करते हुये अपना शादी घर बनाते हुये पैसा बटोरना शुरू कर दिया गया है। इस तरह कालोनाईजरों द्वारा प्लाट खरीदने वालों को गुमराह करते हुये बनाये गये इन शादी घरों के चलते वहां लोगों को लगातार परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इतना ही नही रहवासी क्षेत्रों में संचालित होने वाले इन शादी घरों से निलने वाली जूठन को जब उनके द्वारा सड़कों या फिर नाली में डाल दिया जाता है कि संपूर्ण क्षेत्र में गंदगी फैलने से लोगों का जीना दूभर होते हुये दिखाई देने लगा है। मगर प्रशासन द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि नगर में लोगों द्वारा अपने रहवासी मकानों व काम्पलेक्सों को शादी घर में परिवर्तित करते हुए कमाई करने में लगा हुआ देखा जा रहा है जो मकान कभी रहवासी हुआ करते हुआ करते थें। मगर प्रशासन की अनदेखी के चलते आज वह शादी घर बनकर जहां मकान मालिको के लिये दुधारू गाय बन गये है तो आसपास निवास करने वाले लोगों के लिये परेशानी का कारण साबित होने से नही चूक रहे है? इस तरह नगर में चल रहे शादी घरों के पंजीयन पर गौर किया जावे तो नियम के तहत शायद ही किसी के पास शासन द्वारा अपने भवनों को शादी घर के रूप में चलाने के पंजीयन दर्ज मिल पायेगा? मगर इसके बाद भी स्थानीय प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने के कारण लोगों द्वारा नगर के अंदर अपने भवनों का निर्माण करने के बाद या तो उन्हें किसी आफिस या अन्य कार्य के लिए किराय पर दे दिया जाता है और बाद में उसका स्वरूप बदलते हुए शादी घर बनाते हुए कमाई करने में लग जाते है? इस प्रकार से नगर के अंदर लगातार शुरू होते जा रहे शादी घर के मालिकों द्वारा की जा रही मनमानी के चलते आम लोगों की जिन्दगी दूभर होने से नही चूक पा रही है। वही दूसरी ओर नगर के अंदर संचालित हो रहे शादी घरों में जब बराते लगती है तो जहां संपूर्ण सड़कों पर कब्जा कर लिया जाता है जिससे कई घंटो तक यातायात व्यवस्था बदहाल होने से नही चूक पाती है। इस तरह नगर में चल रहे इन शादी घरों में रात रात भर होने वाले ध्वनि यंत्र को नजर अंदाज करना प्रशासन की उदासीनता का खुला प्रमाण उजागर होते हुये जान पड़ रहा है। क्षेत्र के जिम्मेदार अधिकारियों से नगरवासियों द्वारा अपेक्षा व्यक्त की गई है कि नगर में संचालित होने वाले इन शादी घरों की खोज खबर लेते हुये रात रात रात चलने वाले ध्वनि यंत्रों के साथ साथ मुख्य मार्गो पर कब्जा जमाने वाले रवैया पर अंकुश लगाया जावे।

सोफिया कन्वेंट के बच्चों ने शत प्रतिशत परिणाम लाते हुये संस्था का नाम किया रोशन

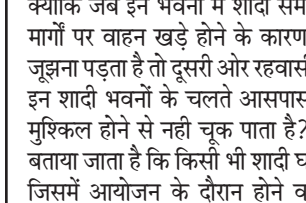

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जब शिक्षण संस्था के शिक्षको द्वारा बच्चों की पढ़ाई पर पूरा ध्यान देते हुये उन्हें मार्ग दर्शन प्रदान किया जाता है उसका सच्चाई परीक्षा परिणाम में देखने मिलती है। कुछ इसी प्रकार से नगर के सोफिया कन्वेंट के संचालक रमाकांत कौरव के मार्ग दर्शन में संस्था के शिक्षकों द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा के चलते इस संस्था के छात्र छात्राओं द्वारा शत प्रतिशत परिणाम लाते हुये अपने साथ साथ संस्था का नाम रोशन करने में कोई कसर नही छोड़ी गई है। बताया जाता है कि बीते हुये दिनों माध्यमिक शिक्षा वोर्ड द्वारा घोषित किये गये परीक्षा परिणामों में सोफिया कन्वेंट हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा । इस संस्था में कुल 24 छात्र -छात्राओं में से 20 प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होकर नाम रोशन किया गया है। जानकारी के अनुसार संस्था में प्रथम स्थान पर कु.खुशी कौरव पिता जयहिंद कौरव ने 95.6%अंक प्राप्त किये। वही द्वितीय स्थान पर कु.वैष्णवी कौरव पिता शैलेन्द्र कौरव ने 94.8%अंक प्राप्त किये तो तृतीय स्थान पर कु. खुशी अग्रवाल पिता पवन कुमार अग्रवाल ने 94.4%अंक प्राप्त किये। इसी प्रकार से संस्था में चतुर्थ स्थान पर कु. संजना गुर्जर पिता अशोक कुमार गुर्जर ने 92%अंक प्राप्त किए। छात्र छात्राओं की इस सफलता पर संस्था संचालक रमाकांत कौरव, प्राचार्य एंव समस्त शिक्षकों के द्वारा उज्जबल भविष्य की कामना करते हुये हर्ष व्यक्त किया गया है।

रेल्वे गेट के पास बढ़ते अतिक्रमण व आवारागर्दी वालों की हरकतों से राहगीरों के साथ रहवासी लोग हो रहे परेशान, इस क्षेत्र की मादक पदार्थों के लिये प्रमुख अड्डे के रूप में बन चुकी है पहचान..?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय शहर में खाली पड़ी हुई शासकीय भूमि पर खुलेआम अतिक्रमण को जाल बिछते हुये देखे जाने के बाद भी जम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता पूर्ण कार्य प्रणाली निश्चित तौर से जहां अतिक्रमणकारियों के लिये संरक्षण की मुद्रा में प्रतीत होने से नही चूक रही है तो दूसरी ओर जिस तरह नगर के रेलवे स्टेशन के समीप यानि की चीचली की ओर जाने वाले मार्ग पर लगे हुये रेल्वे गेट के पास अतिक्रमण करते हुये स्थापित हो रही दुकानों पर जहां दिन के समय आवारा गर्दी करने वालों का जमावडा लगा रहता है तो दूसरी ओर शाम होते ही यहां पर शराब खोरी करने वालों की अशोभनिय हरकते देर रात चलने के कारण यहां पर निवास करने वाले लोगों के साथ साथ इस मार्ग से निकलने वाले राहगीरों को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है? बताया जाता है कि यहां पर खाली पड़ी हुई सड़क किनारे की भूमि से लेकर निर्माणाधीन ओबर

ब्रिज के नीचे की भूमि पर लोगों द्वारा खुलेआम अतिकमण करते हुये अपनी दुकाने स्थापित की गई है। इन दुकानों पर दिन भर आवारा गर्दी करने वाले तत्वों का हुजूम रहने के चलते आम लोगों के साथ साथ स्कूल आने जाने वाली छात्राओं को परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। क्योंकि यहां पर लगी हुई दुकानों पर बैठे रहने वाले इन तत्वों द्वारा आसपास के गांवों से स्कूल आने वाली छात्राओं के साथ अशोभनीय हरकते करते हुये छीटाकशी करने से नही चूकते है और छात्राये दहशत व भय के चलते इन मनचलों की हरकतों से परेशान होकर अपमान का कढावा घूंट पीने के लिये मजबूर हो रही है। वही दूसरी ओर कुछ इसी प्रकार का हाल रात के समय भी देखने मिला है रात के समय यहां पर लगी हुई दुकाने तो बंद हो जाती है मगर इन खाली पड़ी रहने वाली दुकानों से लेकर खुले मैदान में शाम से लेकर देर रात तक शराब खोरी होने के कारण लड़ाई झगड़ा होना तो आम बात हो चुकी है। मगर शराब खोरी करने वाले लोगों द्वारा रात के समय इस मार्ग से निकलने वाले लोगों के साथ अभद्रता करने से नही चूकते है तो दूसरी ओर इस क्षेत्र में निवास करने वाले लोग भी इस तरह नगर के रेल्वे गेट के पास दिन रात होने वाली आवारा गर्दी से परेशान होते हुये देखे जा रहे है। जबकि गौर किया जावे तो पूर्व में अनेकों बार रेल्वे की इस भूमि पर दुकाने स्थापित करने वाले के खिलाफ आर पी एफ के अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करते हुये इन्हे हटा दिया गया था। मगर पता नही क्योंकि आर पी एफ सहित रेल पुलिस व नगर के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा यहां पर दिनों दिन बढ़ रहे अतिक्रमण को नजर अंदाज किये जाने का परिणाम है कि आम लोगों के लिये भुगतने मजबूर होना पड़ रहा है। यदि इस क्षेत्र में जमे हुये अवैध अतिक्रमण की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो यहां पर पूर्णरूप से मादक पदार्थो के अवैध कारोबार का अड्डा बन चुका है..? इस बात की सच्चाई पुलिस के रिकार्ड में खुद ही उजागर होते हुये देखी जा रही है। क्योंकि पुलिस द्वारा पूर्व के समय में पकड़े गये अनेक मादक पदार्थ यानि की स्मैक के कारोबारियों को इसी जगह से पकड़ने में सफलताये हासिल की गई थी। मगर इसके बाद भी प्रशासन के अधिकारियों द्वारा इस सच्चाई को नजर अंदाज किये जाने के कारण यहां पर प्रतिदिन हो रहे अतिक्रमण के इजाफा को देखते हुये जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े होने से नही चूक रहे है.....?

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यो की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचातयों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीदे रहते हुए ग्राम के विकास की बाट जोही जाती है। मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नही चूकता है? इस बात की सच्चाई ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचातयों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नही पड़ रहा है और यदि बीते हुये पंचायती राज में सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठ रही रही हैं? सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का अनवरत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बाट जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ सकती है? वैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अख्तियार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो द्वारा पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड सकती है? दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने का अधिकार था और बाद में सरकार द्वारा उसमें बढ़ोत्तरी करते हुये डबल करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरूपयोग करते हुए अनेक पंचायतो में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे है। भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाडू व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो,परंतु कतिपय यंत्री और उपयंत्रियों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निकार्ड से तो बेहतर निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया ही साबित हो रहे है? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यो की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नही रूक सकती है?

बालश्रम कानून का कागजो पर हो रहा है पालन, अनेक जगहों पर धडल्ले से कर रहे मासूम काम

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। शासन द्वारा बाल मजदूरी रोकने जारी निर्देशो का पालन कराने मे जहां जिला प्रशासन नाकाम रहा है वही बाल श्रमिकों के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी संबंधितों को नही मिल पा रहा है। जबकि पूर्व मे कारखाना अधिनियम 1948 खदान अधिनियम 1952 जहाज अधिनियम 1958, वृक्षारोपण अधिनियम 1961 तथा मोटर परिवहन श्रम अधिनियम के अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार के कारखानों एवं खदानों, मोटर यातायात आदि पर काम मे लगाना वर्जित है,वही हर वर्ष एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है। मगर आजादी के 62 वर्ष बाद भी बाल श्रमिकों की किसी भी श्रमिक संगठन को याद नही आई,जिन बच्चों के हाथ मे किताब कापी होना चाहिए उन्हे पैट भरने के लिए कचरा बीनना,सिर पर लकड़ी का गट्ठा ढोना,होटलो मे कम प्लेट धोना आदि नियति बन चुकी है, क्षेत्र में बाल श्रमिकों की तादात लगातार बढती जा रही है। इसके बावजूद भी जिले के श्रमिक कार्यालय मे बच्चों के सही आंकड़ा तक मौजूद नही होगा? गरीबी व अज्ञानता के चलते आज भी जिले के हजारों बच्चों का स्कूल से नाता जुड़ नही पाया है। उन्हे दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए स्वयं कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। शासन द्वारा जहां साक्षरता का अलख जगाने के लिए गांव गांव मे स्कूल खोले गये है तथा बच्चों को मेहनत मजदूरी से अलग रखा गया है फिर भी गरीबी के चलते बच्चे सरस्वती के वरदान से वंचित है, ग्रामीण अंचलों मे भोर मे उठना कुल्हाड़ी लेकर जंगल जाना लकड़ी काटना, भैस, गाय, बकरी चराना और रूपये कमाना जिंदगी बन गई है। शासन द्वारा करोडो की योजनाओं के बाद भी इन बेसहारा बच्चों के रहन सहन मे कोई बदलाब नही आ सका,इनका भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है,गरीबी और भुखमरी के चलते इन बच्चों के माता पिता चाहकर भी शिक्षा दीक्षा न दिलाकर मजदूरी करवाने को विवश है,क्या करे गरीबी अभिशाप बन गई है बच्चों का सहारा लेना जरूरी भी और मजबूरी भी बन गया है।

पंचायतों में भाई भतीजावाद के चलते सरकारी योजनाएं हो रही फेल, प्रधानमंत्री आवास योजना से कई गांवों के गरीब नागरिक वंचित?

हरिभूमि न्यूज/चीचली। इस समय देखा जा रहा है कि सरकार द्वारा गरीबों के हितों का ध्यान रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चला रही है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री आवास व केन्द्र सरकार प्रधान मंत्री आवास योजना तथ पूर्व से संचालित इंदिरा आवास योजनाएं शामिल है, मगर इन योजनाओं को चलते जनपद पंचायतों के द्वारा ग्राम पंचायतों के माध्यम से काफी समय से संचालित की जा रही है। परंतु इसके बाद भी आज इसके वास्तविक हकदार इन योजनाओं का लाभ पाने से वंचित नजर आ रहे हैं? यह योजना विगत काफी समय से संचालित की जा रही है। यदि इसका सही क्रियान्वयन होता तो लगभग हर ग्राम पंचायत में गरीबों को आवास मिल चुका होता, परंतु आँकड़ों की जादूगरी में यह योजना ऐंसी गुम हुई कि इसके वास्तविक हकदार आज भी परेशान हैं...? और योजना के आँकड़े हजारों के लाभान्वित हो जाने की जानकारी दे रहे हैं? ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम सभाओं के माध्यम से यह तय किया जाता है कि इंदिरा आवास योजना का लाभ इसे दिया जाता है, हालाकि विगत वर्षों में इसके लक्ष्य को हल कर दिया गया है। मगर ग्राम सभायें कागजी होड़ की हैं तथा इन ग्राम सभाओं में आमजन की भागीदारी भव्य होती है हालाकि कागजी खानापूर्ति की जाती है? इस प्रकार से आमजन की अनुपस्थिति के चलते सरपंच अपनी मर्जी के अनुसार नाम तय कर लेते हैं और उसे इस योजना का लाभ मिल जाता है और इसमें वह गरीब जो इसका असली हकदार होता है वह पिछड़ जाता है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर नेहा मारव्या ने कॉलोनियों का निरीक्षण कर मूलभूत सुविधाओं के सुधार के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । कलेक्टर मारव्या ने डिंडौरी नगर की विभिन्न कॉलोनियों का निरीक्षण कर वहां की मूलभूत सुविधाओं की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खनूजा कॉलोनी, राम स्नेही धाम, मृदु किशोर कॉलोनी, राजुल बिलैया नगर सहित अन्य क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था, नालियों की सफाई और स्वच्छता व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया।निरीक्षण के समय नगर परिषद के अधिकारी, इंजीनियर तथा अन्य संबंधित स्टाफ भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर पेयजल या विद्युत आपूर्ति में समस्या है, वहां तत्काल सुधार कार्य प्रारंभ किए जाएं। साथ ही, नालियों की नियमित सफाई और कॉलोनियों की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए।कलेक्टर मारव्या ने कहा कि नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इस दिशा में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं भी सुनीं और समाधान के लिए संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश जारी किए।

कलेक्टर ने नगर परिषद कार्यालय का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने नगर परिषद कार्यालय डिंडौरी का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और नगर परिषद कार्यालय को आनंदम दीदी कैफे भवन में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यालय में मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक भी की। बैठक में उन्होंने नगर परिषद क्षेत्र के प्रमुख स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए, ताकि अतिक्रमण और अन्य संवेदनशील गतिविधियों की प्रभावी निगरानी की जा सके। इसके अतिरिक्त, श्रीमती मारव्या ने नगर परिषद के वार्षिक बजट की भी समीक्षा की और उपलब्ध संसाधनों के समुचित उपयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि नगर की सुरक्षा, स्वच्छता और विकास के लिए ठोस और पारदर्शी कदम उठाए जाने जरूरी हैं। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर, पार्षदगण और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सीएसआर के तहत 29 परियोजना प्रभावित गाँवों के क्षय रोगियों को किया गया पोषण किट का वितरण

अनूपपुर। जिले के एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र के वीआईपी गेस्ट हाउस में भारत सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम सौ दिवसीय क्षय उन्मूलन अभियान के तहत एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र के परियोजना प्रभावित गाँवों से स्वास्थ्य परिक्षण शिविर के माध्यम से चिन्हांकित क्षयरोगीयों को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत पोषण किट का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में एसईसीएल जमुना कोतमा क्षेत्र के 29 परियोजना प्रभावित गाँवों के चिन्हांकित क्षयरोगी उपस्थित थे जिनको पोषण किट का वितरण किया गया। पोषण किट में सूर्यमुखी तेल, अमूल घी, देसी चना, चावल, अमूल दूध पावडर, खजूर, चना दाल, तुवर दाल एवं सोयाबीन खाद्य सामग्री थे जिसको क्षयरोगीयों के लिए आवश्यक पोषण आहार माना जाता है।

नगर की स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण पर हुई महत्वपूर्ण बैठक, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

नर्मदा घाटों का होगा सौंदर्यीकरण प्रदूषित नालों पर लगेगा अंकुश

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । नगर में नर्मदा नदी की स्वच्छता और घाटों के सौंदर्यीकरण को लेकर कलेक्टर नेहा मारव्या की अध्यक्षता में एक अहम बैठक मां नर्मदा मंदिर परिसर में संपन्न हुई। इस बैठक में नगर के जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ नागरिकों और प्रशासनिक अधिकारियों ने भाग लिया।
बैठक में उन नालों पर गंभीर चिंता जताई गई जो सीधे नर्मदा नदी में जाकर जल प्रदूषण फैला रहे हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रदूषित नालों की समस्या के समाधान हेतु शीघ्र सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना की जाए। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि untreated जल किसी भी स्थिति में नदी में न पहुंचे।बैठक में डिंडौरी विधायक ओमकार सिंह मरकाम, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सारस, जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार राठौर, पार्षदगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि, मॉ नर्मदा समिति के सदस्य एवं अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नदी गहरीकरण और श्मशान घाट होगा सुव्यवस्थित

बैठक में यह निर्णय लिया गया कि नर्मदा नदी में गहरीकरण कार्य किया जाएगा, जिसके लिए विधायक निधि से 11 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इस कार्य से निकले मलबे को हटाने की जिम्मेदारी तहसीलदार और नगर परिषद के अधिकारियों को दी गई है।वहीं, श्मशान घाट की व्यवस्था को सुधारने एवं स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर परिषद अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। घाटों पर साफ-सफाई बनाए रखने हेतु स्थायी और प्रभावी प्रबंध किए जाएंगे।

- श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं होंगी सुदृढ़

परिक्रमावासियों और श्रद्धालु यात्रियों के लिए धर्मशाला, रैन बसेरा आदि की उचित व्यवस्था के निर्देश भी दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि नर्मदा घाट और नगर की सफाई एवं सुंदरता में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

- सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों का निरीक्षण

बैठक उपरांत कलेक्टर मारव्या ने नगर परिषद डिंडौरी में निर्माणाधीन सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता, प्रगति और तकनीकी मानकों की विस्तार से समीक्षा की।निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी और अधिकारियों को निर्देश दिए कि गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि यह परियोजना नगर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके पूर्ण होने से नर्मदा नदी को स्वच्छ बनाए रखने में मदद मिलेगी।

आपदा से निपटने के लिए तैयारियां तेज
सिविल डिफेंस प्लान अपडेट करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । कलेक्टर मारव्या एवं पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आपदा प्रबंधन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्र की वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नागरिकों की सुरक्षा के लिए सिविल डिफेंस प्लान को अद्यतन रखने के निर्देश दिए गए, ताकि आपदा की स्थिति में त्वरित बचाव कार्य किए जा सकें।बैठक में स्वास्थ्य, पेयजल, खाद्य सामग्री और दवाइयों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर नागरिकों और पशुधन के सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरण के लिए स्थान चिन्हित करने को भी कहा गया।पुलिस अधीक्षक वाहनी सिंह ने जिले में नेटवर्क की समस्या न आने देने हेतु सरकारी और निजी नेटवर्क कंपनियों के साथ बैठक कर समाधान निकालने के निर्देश दिए। आपदा प्रबंधन के लिए पुलिस कंट्रोल रूम की स्थापना और उसमें जिला व ब्लॉक स्तर के अधिकारियों के संपर्क नंबर उपलब्ध कराने की बात कही गई।सायरन की व्यवस्था, अस्पतालों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए डॉक्टरों की अलग टीम, होस्टलों में पुरुषों और महिलाओं के रुकने की व्यवस्थाओं की सुनिश्चितता तथा फायर टीम के लिए 15–20 लोगों को प्रशिक्षित करने के निर्देश भी दिए गए। खाद्य आपूर्ति बनाए रखने, सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी पर निगरानी रखने और ग्राम पंचायत स्तर पर निगरानी टीम गठित करने का निर्णय लिया गया। साथ ही, जिला स्तरीय कमेटी भी गठित की जाएगी जिसमें डॉक्टर, एसडीएम, पुलिस अधिकारी और एनडीआरएफ के जवान शामिल रहेंगे।

छात्रा कु. रोशनी झारिया का कक्षा 12वीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन

विज्ञान संकाय में 92.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । शहपुरा - डिंडौरी जिले में कक्षा 12वीं की परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए हैं, जिसमें शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय शहपुरा की छात्रा कु. रोशनी झारिया ने विज्ञान संकाय में 92.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।उत्कृष्ट विद्यालय शहपुरा संस्था के समस्त शिक्षक स्टाफ ने छात्रा की इस सफलता पर छात्रा के घर जाकर कु. रोशनी को मिठाई खिला कर प्रतीक चिह्न भेंट किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट विद्यालय शहपुरा के शिक्षकगण भी उपस्थित थे, जिन्होंने छात्रा और उसके परिवार को बधाई दी और शुभकामनाएं प्रेषित कीं।कु. रोशनी झारिया शहपुरा विकासखंड के टिकरिया गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और समर्पण के बल पर जिले में टॉप किया है और समाज एवं गांव का नाम रोशन किया है।कु. रोशनी झारिया की इस सफलता से उनके परिवार और समाज में खुशी की लहर है। वे आगे भी अपनी शिक्षा जारी रखेंगी और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगी। कु. रोशनी झारिया की इस सफलता से यह साबित होता है कि कड़ी मेहनत और समर्पण के बल पर कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। हमें उम्मीद है कि वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करना जारी रखेंगी और अपने सपनों को पूरा करेंगी।

आमांडॉड खुली खदान का काला हीरा जलकर राख में हो रहा तब्दील

बदरा/जमुना। जमुना कोतमा क्षेत्र की जीवन दायिनी खदान एएमडी ओसीपी में कोयले की गुणवत्ता जी8 स्टैंडर्ड की है पिछले वित्तीय वर्ष 23-24 का लगभग तीन लाख टन कोयले का स्टॉक था जिसमें वहां के प्रबंधन द्वारा कोयले के साथ निकले हुए सेल पत्थर को मिक्स कराकर न सिर्फ कोयले की गुणवत्ता खराब की गई बल्कि कंपनी को अप्रत्यक्ष रूप से बेईमान बनाने की साजिश रची गई है आलम ये है कि आज उस कोयले का कोई खरीदार नहीं मिल रहा है खेद की बात ये है कि नीलकंठ कंपनी द्वारा उत्पादन किए जा रहे अच्छे ग्रेड के कोयले को पुराने स्टॉक तीन लाख टन कोयले के ऊपर डंप कराकर रोड सेल का पूरा जुगाड़ किया जा रहा और उसी से प्रबंधन माला माल हो रहा है इससे भी दुखद और गजब की बात ये है कि पुराने स्टॉक में आग लगी हुई है जिससे प्रतिदिन लगभग 15 से 20 टन कोयला जलकर खाक हो रहा है और राख में तब्दील हो रहा है जिससे कंपनी का करोड़ों का नुकसान जानबूझकर कराया जा रहा है जबकि श्रमिक संगठन कोयला मजदूर सभा द्वारा पत्र लिखकर या मौखिक सलाह दी जाती है कि वर्षों से पड़े कोल स्टॉक को यदि गोविंदा साइडिंग भेज दिया जाएं तो कोयला आराम से बिक्री हो सकता है और कंपनी को आर्थिक लाभ भी होगा लेकिन वहां का प्रबंधन बात सुनने को तैयार नहीं उसे सिर्फ कमाई दिखता है चुकी हम एक जिम्बेवार संगठन है और हमारा दायित्व है कि राष्ट्र एवं कंपनी को हो रहे नुकसान को कैसे बचाया जाय इस बात को संज्ञान में रखकर अपनी बात उचित फोरम पर उठाते रहेंगे और बार बार उठाएंगे।

50 दिन बाद छत्तीसगढ़ वापस पहुंचे तीन हाथी, जिलावासियों ने ली राहत की सांस

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

अनूपपुर में जिले में निरंतर 50 दिन तक विचरण करने बाद तीन हाथियों का समूह गुरुवार एवं शुक्रवार की मध्य रात्रि जिले की सीमा को पार कर छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही क्षेत्र में पहुंचकर जंगल में विश्राम कर रहे हैं तीनों हाथियों के जिले में विचरण दौरान सैकड़ो ग्रामीणों के घर, खेत एवं बांड़ियों में रखे एवं लगे विभिन्न तरह की अनाजों को अपना आहार बनाया है इस बीच ग्रामीणो एवं वनविभाग की गस्ती दल की सक्रियता के कारण किसी भी तरह की अनहोनी नहीं हो सकी वही हाथियों से हुए नुकसान पर जिला प्रशासन एवं वनविभाग की टीम द्वारा सर्वे कर राहत राशि का प्रकरण तैयार कर राहत राशि दिये जाने की कार्यवाही की है। 50 दिन पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य के मरवाही क्षेत्र से एक एवं दो की संख्या में अलग-अलग आए तीन हाथियों का समूह एक साथ मिलकर अनूपपुर जिले के जैतहरी, अनूपपुर एवं राजेंद्रग्राम इलाकों में विचरण करने बाद फिर से अनूपपुर एवं जैतहरी इलाके में आकर दिन के समय जंगलों में ठहरकर विश्राम करने बाद शाम एवं रात होने पर प्रत्येक दिन अलग-अलग दिशाओं में निकल कर आसपास के ग्रामो, टोला, मोहल्ला के ऐसे इलाके जो जंगल से लगा हुआ है के साथ 8 से 10 किलोमीटर की दूरी तय कर अचानक पहुंचकर आहार की तलाश में 100 से अधिक घरों खेत, बांडियों में लगे तथा रखें विभिन्न तरह के अनाजों को अपना आहार बनाते हुए सुबह होने पर फिर से जंगलों में जाकर ठहर जाते रहे हैं। विगत छह दिनों से तीनों हाथी वन परिक्षेत्र, थाना एवं तहसील जैतहरी के धनगवां एवं चोलना बीट के जंगलों में दिन में ठहरने बाद रात होते ही कुसुमहाई, चोई, पड़रिया, कुकुरगाड़ा आदि गांव के विभिन्न टोला-मोहल्ला में विचरण करते हुए दिन में जंगलों में रह रहे थे गुरुवार की शाम तीनों हाथी धनगवां एवं चोलना बीट के चोई गांव से लगे जंगल से निकलकर पड़रिया, छातापटपर, चोलना होते हुए मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ की सीमा के मध्य ग्राम पंचायत चोलना के गूजरनाला को पार कर छत्तीसगढ़ राज्य के शिवनी सर्किल एवं बीट के ग्राम पड़री देवंगवा होते हुए घुसरिया बीट के जंगल कक्ष क्रमांक 2049 जो चरचेडी गांव के समीप है के बांस प्लांटेशन में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं रात में देवगवा गांव में गोविंद के घर में तोड़फोड़ किए जाने पर घर का मलवा गिरने से 7 वर्ष के बालक रुद्र के हाथ एवं पैर में चोट लगी जिसे जैतहरी एवं शिवनी के वन अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा उपचार हेतु मरवाही के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया इस बीच हाथियों द्वारा पांच किसानों के खेतों में लगी फसलों को अपना आहार बनाते रहे 50 दिनों तक हाथियों के विचरण में दौरान हाथियों द्वारा अनूपपुर जिले एक सौ से अधिक ग्रामीणों के घरो, खेत एवं बांडियों में लगे तथा रखें विभिन्न तरह के अनाजों को खाकर, तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया जिस पर जिला प्रशासन एवं वनविभाग की संयुक्त टीम द्वारा समय-समय पर नुकसानी का सर्वेक्षण करते हुए राहत प्रकरण तैयार कर राहत राशि दिए जाने की कार्यवाही की। इस दौरान वनविभाग का गस्ती दल, ग्रामीण एवं ग्राम पंचायतो के पदाधिकारियों एवं पुलिस के सहयोग से आम जनों की सुरक्षा के साथ हाथियों की सुरक्षा पर निरंतर निगरानी रखा हुआ रहा जिससे 50 दिनों के मध्य किसी भी तरह की अनहोनी घटना नहीं हो सकी हाथियों के अनूपपुर जिले से वापस छत्तीसगढ़ राज्य रवाना होने पर अनूपपुर जिले के जैतहरी,अनूपपुर के ग्रामीणो ने राहत की सांस ली है हाथियों के विचरण के कारण 50 दिनों तक हाथियों के विचरण से प्रभावित क्षेत्र के 10 से 12 गांव के ग्रामीण प्रत्येक दिन रात-रात भर जाग कर अपनी एवं अपने परिजनों की सुरक्षा करते रहे।

पवित्र नगरी अमरकंटक में आधे घंटे हुई बारिश तापमान में गिरावट मौसम हुआ खुशनुमा

अमरकंटक। पावन पवित्र नगरी अमरकंटक में एक बार फिर आधे घंटे की अच्छी जोरदार बारिश हुई इससे तापमान 32 डिग्री सेल्सियस आ गया था वह वर्षा के चलते 28 डिग्री सेल्सियस आ गया। पवित्र नगरी अमरकंटक में 9 मई शुक्रवार दोपहर साढे चार बजे अचानक हुई तेज बारिश से पारा तो लुढ़का ही अमरकंटक नगर का मौसम अच्छा खासा सुहाना खुशनुमा हो गया विगत तीन-चार दिनों से तापमान 34-35 डिग्री सेल्सियस चल रहा था बारिश होने से बढ़ रहे तापमान में ब्रेक सा लग गया और वह नीचे आ गया। उल्लेखनीय है कि पवित्र नगरी अमरकंटक में बीच-बीच में अच्छी खासी बारिश हो जाने से गर्मी जैसा एहसास न होकर सुखद खुशनुमा सुहावना मौसम बना हुआ है इस तरह के मौसम से पर्यटक तीर्थ यात्रियों सैलानियों को भा रहा है दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले पर्यटक सैलानी भी इसका भरपूर आनंद उठा रहे हैं और अपने परिचित रिश्तेदारों को भी अमरकंटक के सुहावने मौसम के बारे में अवगत कराना नहीं चूक रहे। बनारस एवं कानपुर से आए मिश्रा एवं पांडे दंपति पर्यटक सैलानी ने कहा कि वह अपने मित्रों रिश्तेदारों को कह रहे हैं कि अमरकंटक लिए और बेहद सुहावना मौसम का मजा लीजिए ऐसा मौसम कहीं नहीं मिल रहा घर या होटल में वातानुकूलित में ही मिलता है जो अमरकंटक में मिल रहा है इससे तन मन को सुकून शांति मिल जाती है दो दिन की जगह लगता है चार-पांच दिन और रह ले। हमने अमरकंटक के बारे में कुछ और सोचा था लेकिन हमें अमरकंटक में कुछ और ही देखने सुनने जानने को मिला है। अमरकंटक वास्तव में स्वर्ग सा है असीम खुशी मिलती है।

खबर संक्षेप

आदर्श ज्ञान ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

हरिभूमि न्यूज तेंदूखेड़ा । लोलरी राजमार्ग में संचालित आदर्श ज्ञान ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल का परीक्षा परिणाम विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।हमारे प्रतिनिधि को मिली जानकारी के अनुसार विद्यालय का परीक्षा परिणाम 98 प्रतिशत रहा। कक्षा दसवीं में 104 छात्रों में 85 छात्रों ने प्रथम श्रेणी और 14 छात्रों ने ने द्वितीय श्रेणी में सफलता प्राप्त की है। कक्षा 12वीं में कुल 85 छात्रों में 72 बच्चों ने प्रथम श्रेणी और 9 बच्चों ने द्वितीय श्रेणी में सफलता प्राप्त की है ।

कलेक्टर ने नमन को किया सम्मानित

तेंदूखेड़ा नगर के प्रतिष्ठित कोठारी परिवार के नमन पिता प्रदीप कोठारी ने कक्षा बारहवीं में वाणिज्य संकाय में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में छटवां स्थान प्राप्त किया है। विगत दिवस जिला मुख्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के द्वारा स्मृति चिन्ह प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।इस मौके पर जिला पुलिस अधीक्षक मृगाखी डेका एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी भी उपस्थित थे।

मुख्य सड़क मार्गो के किनारे पुनः लगने लगीं मांस की दुकानें

हरिभूमि न्यूज तेंदूखेड़ा । कुछ माह पहले तेंदूखेड़ा सहित आस पास ग्रामीण क्षेत्रों और मुख्य सड़क मार्गों पर लग रही खुलें में मांस की दुकानें हटाये जाने के आदेश दिए गए थे। कुछ समय तो उक्त दुकानें बंद रहीं नेट लगाकर चलतीं रहीं। लेकिन अब पुनः खुलेआम चलने लगीं हैं। वहीं तेंदूखेड़ा में अलग से शेड बनाकर दुकानों को जगह दी गई है। और कुछ समय तक लगतीं भी रहीं हैं लेकिन अब उक्त मांस की दुकानें मुख्य सड़क मार्गों पर खुलेआम लगने से जहां गंदगी पूर्ण माहौल बनने लगा है वहीं धार्मिक भावनाओं को आघात पहुंचाया जा रहा है। वहीं शेड में दुकानें लगा रहे दुकान दारों ने भी आपत्ति जताते हुए स्पष्ट किया है कि हम लोग परेशान बनें हुए हैं। बाहर दुकानें लगने से ग्राहक वहां तक पहुंच ही नहीं पाता है। उन्होंने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से उक्त दुकानें भीतर निर्धारित शेडों में लगाये जाने चाहिए।साथ ही मुख्य मार्गों पर लग रही दुकानों के कारण यहां पर कुत्ते पक्षी मंडराते रहते हैं। दुकानों के सामने बाहन खड़े होने के कारण आये दिन दुर्घटनायें भी घटित हो चुकी है। इसके बाद भी व्यवस्था में सुधार नहीं हो पाया है।

ट्रेक्टर पलटने से चालक की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस ट्रेक्टर से भूसा लेने जा रहे चालक की ट्रेक्टर पलटने से मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अमोल पिता गोरेलाल धानक उम्र 25 वर्ष निवासी करहैया खेड़ा भूसा लेने के लिए ट्रेक्टर से जा रहा था तभी डोंगरगांव के पास ट्रेक्टर पलट गया जिससे चालक अमोल घायल हो गया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

युवक ने लगाई फांसी, मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र कोतवाली निवासी युवक द्वारा फांसी लगा ली गई। पुलिस मिली जानकारी के अनुसार कार्तिक पिता रघुवीर सराठे उम्र 19 वर्ष निवासी काठोतिया द्वारा अपने ही घर मे फांसी लगा ली। पुलिस को सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची और मर्ग पंचानामा तैयार कर शव को फंदे से उतारकर शव को परीक्षण हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर शव परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

कलेक्टर ने की कार्यों की गहन समीक्षा

जरूरतों को पूरा करना नैतिक जिम्मेदारीः कलेक्टर

सरपंच, सचिव, जीआरएस एवं उपयंत्री रहे मौजूद

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। शुक्रवार को कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले एवं जिला पंचायत सीईओ दलीप कुमार ने जिला पंचायत सभाकक्ष नरसिंहपुर में जनपद पंचायत नरसिंहपुर के सरपंच, सचिव व ग्राम रोजगार सहायकों की संयुक्त बैठक ली। उन्होंने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रारंभ किये गये कार्यों, प्रगतिरत कार्यों, अप्रारंभ कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण एवं ई-केवायसी के कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर श्रीमती पटले ने उपयंत्री पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत खेत- तालाब एवं डगवेल कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने बैठक में ग्राम पंचायतों को लक्ष्य स्वरूप सौंपे गये कार्यों एवं उनकी प्रगति की जानकारी यहां मौजूद संबंधित सरपंच, सचिव एवं जीआरएस से ली। उन्होंने कहा कि वर्तमान के साथ- साथ भविष्य की जल से जुड़ी जरूरतों को बनाये रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। कलेक्टर श्रीमति पटले ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हम जानते हैं कि पिछले 10 वर्षों के भू- जल स्तर और वर्तमान भू- जल स्तर में काफी अंतर आया है। अपनी जरूरतों के लिए हमने प्रकृति द्वारा प्रदत्त इस उपहार का दोहन किया है, लेकिन प्रकृति को लौटाया नहीं है। इस बारे में हम सभी को गहन विचार- विमर्श करना बेहद जरूरी है।

जल का अपव्यय मे हो नियंत्रण

कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि जनप्रतिनिधि, सचिव, जीआरएस एवं ग्राम पंचायत का मैदानी अमले को आपसी समन्वय कर लोगों को खेत- तालाब निर्माण के लिए प्रोत्साहित करना होगा। खेत- तालाब के माध्यम से किसान पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर सिंघाड़ा, मछली पालन आदि कार्य कम खर्चे में कर सकते हैं। इसमें प्रारंपरिक खेती की तुलना में अधिक लाभ होता है। साथ ही इससे भू- जल स्तर में वृद्धि और खेत में सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी भी मिलेगा। जिले के कई किसान ऐसे हैं, जिन्होंने प्रारंभिक रूप में एक एकड़ में खेत- तालाब बनाया, बाद में इसकी संख्या बढ़ाई। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले को भी खेत- तालाब बनाने का लक्ष्य दिया गया है। लोग स्वतः स्फूर्त होकर आगे आकर इसे अपनायें। जन आंदोलन का रूप देने की जरूरत है। हमें अपने व्यवहार में बदलाव लाना होगा। प्रतिदिन हम जिस तरीके से जल का अपव्यय करते हैं, इस पर नियंत्रण रखना होगा।

खेत तालाब का दिया लक्ष्य

कलेक्टर ने बैठक में निर्देश दिये कि 30 जून तक 225 एनआरएम के कार्यों को और निर्धारित खेत- तालाब का लक्ष्य पूर्ण करे। सेक्टर धमना, खमरिया जरजोला एवं बचई के प्रति पंचायत न्यूनतम तीन कार्य अवश्य चयन करने के निर्देश दिये। साथ ही ग्राम पंचायत बहोरीपारकला, बबरिया, बकौरी, नयागांव में पांच खेत- तालाब चयनित कर तीन दिवस में संपूर्ण कार्यवाही पूर्ण करने कहा। ग्राम पंचायत बेलखेड़ा, भरवारा, डोकरघाट, डोंगरगावं अं, घाटपिंडरई, खमरिया जरजोला, खमतरा, सहजपुरा, सुपला, सूरजगांव, धमना, गरारू, खापा, मचवारा, मुर्गाखेड़ा, नयाखेड़ा, बचई, चीलाचोनखुर्द, चीलाचोनकला, चैराखेड़ा, डांगीढाना, करहैया बचई, खुरपा, मुडिया को प्रति पंचायत तीन-तीन खेत तालाब का लक्ष्य दिया गया। साथ ही दो दिवस में कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर ने मनरेगा योजनांतर्गत प्रगतिरत सामुदायिक कार्यों पर जिन ग्राम पंचायतों द्वारा एनएमएमएस नहीं की जा रही है, उनका उस दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिये। प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने प्रगति अत्यंत कम पाये जाने पर ग्राम पंचायत बंदरोहा, धमना, खापा, नयागांव, रानीपिंडरई, डोकरघाट, घाटपिंडई, सुपता, जरजोला, झिरीखुर्द, सूरजगांव, चीलाचोन कला, धबई, पस्ताना को नोटिस जारी के निर्देश दिये गये।

रोजगार सहायकों व सचिवों का काटा वेतन

बैठक में समग्र ई- केवाएसी की समीक्षा की समीक्षा के दौरान 08 मई तक ई- केवायसी में निम्न प्रगति वाली ग्राम पंचायत मुर्गाखेड़ा, डोकरघाट, झिरीखुर्द, धबई, धुबघटगोड़ी, ढाना, रानीपिंडरई, पिठेहरा को नोटिस जारी के निर्देश दिये गये। साथ ही अन्य ग्राम पंचायतों को समय सीमा में कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देश दिये गये। बैठक में अनुपस्थित पाये जाने पर उचित कारण प्रस्तुत नहीं करने पर एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बैठक में ग्राम रोजगार सहायक जरजोला, सुपला एवं रानीपिंडरई और ग्राम पंचायत सचिव बेलखेड़ा, डोंगरगांव अंडिया, पांसी, सूरजगांव, रानीपिंडरई अनुपस्थित पाये गये। इस पर कलेक्टर ने अनुपस्थित रहे ग्राम रोजगार सहायकों सचिवों को उचित कारण प्रस्तुत नहीं करने पर एक दिवस का वेतन काटने के निर्देश दिये। बैठक में जल गंगा संवर्धन अभियान में संतोषजनक प्रगति नहीं होने पर कलेक्टर ने 11 पंचायतों के सचिव व जीआरएस को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये, उनमें ग्राम पंचायत डोकरघाट, बहोरीपारकलां, खमतरा, सुआतला, सूरजगांव, धमना, खापा, मचवारा, मुर्गाखेड़ा, चैराखेड़ा व नयागांव शामिल हैं।

उत्कृष्ट कार्य के लिए सवल जाट सम्मानित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के छात्र-छात्राओं ने कक्षा 10वीं और 12वीं में ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की है। इसके लिए कलेक्टर द्वारा प्रदेश की मेरिट सूची में नाम दर्ज करने वाले 30 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यवहार एवं परीक्षा संचालन में उत्कृष्ट एवं सराहनीय सेवा देने के लिए लेखापाल सबल जाट को सम्मानित करते हुए कलेक्टर ने उनके कार्य पद्धति की सराहना की। विदित हो कि पिछले तीन वर्षों से लगातार नरसिंहपुर जिला प्रदेश में प्रथम स्थान इन परीक्षाओं प्राप्त कर रहा है।

देशी कट्टा व जिंदा कारतूस के साथ आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस थाना क्षेत्र करेली पुलिस द्वारा आपरेशन प्रहार के तहत एक लोहे का देशी कट्टा व एक जिंदा कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। थाना करेली पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए घेराबंदी कर आरोपी सैंकी उर्फ विकास सोनकर पिता शेखर सोनकर उम्र 21 वर्ष निवासी सुभाष वार्ड करेली के कब्जे से एक लोहे की देशी पिस्टल व एक जिंदा कारतूस रखे हुये मिला जो उक्त देशी कट्टे व जिंदा कारतूस को जप्त कर कब्जा पुलिस में लिया गया व आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 402/2025 धारा 25 (1-बी) ए, 27 आर्म्स एक्ट का पंजीवद्ध कर उक्त आरोपी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक, सुश्री प्रियंका केवट, उनि विजय धुर्वे, आरक्षक सुदीप बागरी, आरक्षक अमित यादव, आरक्षक रोहित बारोलिया, की सराहनीय भूमिका रही।

सर्वोदय विद्यालय के छात्र सिद्धार्थ पटैल एवं ईशान जैन जिला प्रावीण्य सूची में

हरिभूमि न्यूज तेंदूखेड़ा । विगत दिवस माध्यमिक शिक्षा मंडल के द्वारा हायर सेकेंडरी प्रमाण पत्र परीक्षा एवं हाई स्कूल परीक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए । जिसमें सर्वोदय विद्यालय अंग्रेजी माध्यम एवं हिंदी माध्यम का परीक्षा परिणाम विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी परिणाम काफी सराहनीय रहा है। कक्षा 12वीं में विज्ञान संकाय में विद्यालय के इंग्लिश मीडियम के छात्र सिद्धार्थ पटेल पिता तेजराम पटेल ने 96 प्रतिशत अंक प्राप्त करके नरसिंहपुर जिले की प्रावीण्य सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है । तथा वाणिज्य संकाय में छात्र ईशान जैन पिता मनीष जैन ने 479 अंक प्राप्त करके जिले की प्रवीण्य सूची में वाणिज्य संकाय में प्रथम स्थान हासिल किया। ज्ञात हो कि इसी विद्यालय की छात्रा प्रांजल शर्मा पिता दर्शन शर्मा ने भी हाई स्कूल परीक्षा कक्षा दसवीं में मध्य प्रदेश की प्रवीण सूची में दसवां स्थान प्राप्त किया है ।

सर्वोदय विद्यालय हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम का हाई स्कूल तथा हायर सेकण्डरी स्कूल का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा है।विद्यार्थियों की इस स्वर्णिम सफलता पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक एवं संत मोनी महिला महाविद्यालय की प्राचार्य इंग्लिश मीडियम प्राचार्य हिंदी माध्यम प्राचार्य ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है । इस उत्तम परीक्षा परिणाम में सभी विद्यार्थियों की मेहनत अध्ययन के प्रति उनकी लगन परिश्रम एवं अभिभावकों का सहयोग महत्वपूर्ण रहा है । एवं अध्यापन करने वाले शिक्षकों का अथक परिश्रम एवं कर्तव्य निष्ठा का महत्वपूर्ण योगदान है।

सड़क दुर्घटना मे व्यक्ति की मौत

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस घर से बाजार के लिए निकले वृद्ध की सड़क दुर्घटना मे मौत हो गई। पुलिस मिली जानकारी के अनुसारी रामप्रसाद पिता छिदामी लाल निवासी खैरी खुर्द डोभी बाजार के लिए जा रहा था तभी मेहगवां के पास अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार कर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया।

दीवार लेखन के माध्यम से दिया जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत मप्र जनअभियान परिषद नरसिंहपुर के तत्वावधान में व ब्लॉक समन्वयक के मार्गदर्शन में नवांकुर सखिमिलन महिला संघ समन्वयक श्रीमती मीनू मंडलोई व उनकी सदस्यों द्वारा करेली के सुभाष वार्ड में दीवार लेखन का कार्य किया गया। दीवार लेखन के माध्यम से वार्डवासियों और अन्य नागरिकों को जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया। दीवार लेखन के माध्यम से नागरिकों को जल बचाओ- कल बचाओ, जल ही जीवन है जल संरक्षण है हमारा सपना- खुशहाल रहे भारत अपना, हम सबने ठाना है- पानी को बचाना है आदि प्रेरक नारों के माध्यम से जल संरक्षण व संवर्धन का संदेश दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न नगरीय निकायों में जल संरक्षण व संवर्धन की दिशा में दीवार लेखन के माध्यम से नागरिकों को जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। जल संरक्षण व संवर्धन के लिए दीवार लोगन लेखन के माध्यम से लोगों को जल के महत्व व उसके समुचित उपयोग का संदेश दिया। साथ ही जल के संरक्षण व संवर्धन के लिए प्रेरित किया गया।

कलेक्टर ने किया प्रख्याती राजपूत का सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस सरस्वती शिशु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की मेधावी छात्रा प्रख्याती राजपूत ने म.प्र. हाई स्कूल बोर्ड 2025 की प्रावीण्य सूची में प्रदेश स्तर पर दसवां स्थान प्राप्त करने पर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार पुलिस अधीक्षक श्रीमती मृगाखी डेका जिला शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में शील्ड प्रशस्ति पत्र एवं फूल माला पहनाकर सम्मानित किया गया। बहिन प्रख्याती वरिष्ठ आचार्य नरेन्द्र सिंह राजपूत की सुपुत्री है। छात्रा की सफलता पर विद्यालय प्रबंध समिति पदाधिकारीगण प्राचार्य, प्रधानाचार्य एवं आचार्य परिवार ने शुभकामनाऍं प्रेषित करते हुए उज्वल भविष्य की कामना की।

नहरों से छोड़ा जा रहा पर्याप्त पानी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। भीषण गर्मी के मौसम में गन्ने और मूंग की फसल के लिए बरगी नहर के माध्यम से किसानों को पर्याप्त पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशों के परिपालन में कार्यक्षेत्र की समस्त नहरों के अंतिम छोर तक पहुंचाने का प्रयास किये जा रहे हैं। इसके अलावा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत तालाबों में भी पानी पहुंचाया जा रहा है, जिससे भू- स्तर और कृषकों के ट्यूबवेल भी रिचार्ज हो रहे हैं। कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी नहर संभाग क्रमांक एक करेली एसके मालवी ने बताया कि डुंगरिया वितरण नहर एवं उसकी वितरण प्रणाली से ग्राम बघौरा, भिंडवार, खमरिया, चीकसा, कांकर कुईया, बटेसरा, रमखिरिया, कौंड़ियि, झामर, बांसखेड़ा, झमरी, मोथेगांव, सिंगौटा, बिलौनी, इमझिरी, रीछा, बीतली, हेमरा व डुंगरिया और बरगी नहर की अमोदा वितरण नहर के अंतर्गत ग्राम खंचारी, ठूठी, पनारी, पुरगुवां, मटवारा, बम्हौरी, मनकवारा, घाटपिपरिया, बोहानी, बरांझ, कजरौटा, बरेली, बरहेटा, कौंड़ियि, चिरहकला आदि ग्रामों तक पानी पहुंचाया जा रहा है।

पेयजल संकट निवारण की हेतु कंट्रोल स्थापित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। ग्रीमष्काल में संभावित पेयजल संकट को दृष्टिगत रखते हुए जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित हैंडपंपों के खराब होने व जल स्तर में गिरावट के कारण पेयजल संकट निवारण की सतत निगरानी के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग नरसिंहपुर में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है। कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 07792- 230210 है। नियंत्रण के प्रभारी आशीष नेमा को बनाया गया है। कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि वे प्राप्त होने वाली शिकायतों की प्रवृष्टि कंट्रोल रूम के पंजी में करेंगे और इसकी जानकारी तत्काल संबंधित उपखंडों के सहायक यंत्रीः उपयंत्री को आवश्यक कार्यवाही के लिए दूरभाष पर सूचित करेंगे। संबंधित सहायक यंत्री उपयंत्री प्रकरण में तत्काल संज्ञान लेकर आवश्यक कार्यवाही तथा शिकायत का सार्थक निराकरण कर स्थापित कंट्रोल रूम को सूचित करेंगे और कंट्रोल रूम में संधारित पंजी में निराकरण की प्रविष्टि करेंगे।

डी एम ओ केंद्र को बना दिया उपार्जन केन्द्र

किसानों को 50 किमी दूर से हो पाती हैं खाद बीज की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज तेंदूखेड़ा । एक तरफ जहां शासन किसानों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए तरह तरह की योजनाएं चला रहा है लेकिन तेंदूखेड़ा क्षेत्र के किसानों के साथ प्रशासनिक उदासीनता के चलते उन्हें समय पर लाभ नहीं मिल पाने के कारण किसान परेशान होकर सीजनेविल फसलों की व्यवस्था में डेढ़ से दो गुनें दामों में खाद बीज की व्यवस्था कर पाते हैं। ऐसा ही एक मामला तेंदूखेड़ा क्षेत्र में देखने को मिला जहां यहां का डबल लाक स्टिम खाद बीज वितरण केन्द्र डी एम ओ वेयर हाउस को कुछ समय के लिए खोलकर पुनः बंद कर दिया गया है। जिससे यहां के कृषकों को अब 40से50 किमी की दूरी तय करके करेली से खाद बीज की व्यवस्था बनानी पड़ती है। चूंकि दूरी के मान से और समय पर उठाव की व्यवस्था ना हो पाने के कारण समीपवर्ती गांव की सोसाइटी खाद बीज उठा लेते हैं और तेंदूखेड़ा क्षेत्र के किसान वंचित हो जाते जिसका सीधा लाभ व्यापारी वर्ग उठाता है जो डुप्लीकेट और अपने मनमाने दामों पर खाद बेचते हुये देखे सुने जा सकते हैं।

वर्ष 2017-18 में बनाया था केंद्र

गौरतलब रहे कि जिले की सभी तहसीलों में अलग अलग खाद बीज वितरण केन्द्र की व्यवस्था पूर्व से ही गई है ।लेकिन तेंदूखेड़ा क्षेत्र के किसानों की खाद बीज संबंधी समस्यायों को लेकर यहां पर वर्ष 2017 -18 में यहां पर यह केंद्र बनाया तो गया लेकिन वह महज कुछ ही महीनों बाद बंद कर दिया और अब इस केंद्र को गेंहू धान का उपार्जन केन्द्र के साथ साथ पी डी एस का चावल गोदाम बना दिया गया है।

लगता है अधिक भाड़ा

सबसे बड़ी समस्या एक यह और बनीं हुई है कि वर्तमान में जहां से खाद बीज आता है वहां की दूरी के मान से भाड़ा अधिक हो जाता है। चूंकि भले ही तेंदूखेड़ा से करेली की दूरी 40किमी है लेकिन हीरापुर भामा मदनपुर सर्रा और बंधी के लिए यह दूरी 50 से 55 किमी दूर हो जाती है।आरो कटने के बाद जब तक सोसाइटी वाहनों की व्यवस्था करके वहां पहुंच पाता है तब तक केंद्र से पास की सोसाइटी खाद उठाकर ले जाती है। इसमें भी सबसे बड़ी समस्या यह देखने को मिला करती है कि बीच में खाद की बोरियां भी बदल जाती है जो मोटे बारीक और फिर गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़ा करतीं हैं। तेंदूखेड़ा क्षेत्र के किसानों ने एक बार फिर जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से यहां पर खाद वितरण केन्द्र प्रारंभ किया जाये।इस विषय को लेकर जिला बैठक में जिले की कलेक्टर एवं क्षेत्रीय सांसद विधायक की उपस्थिति में यह विषय रखा था। लेकिन इस दिशा में अभी तक कोई भी उचित पहल नहीं हो पाई है।किसानों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए यह केंद्र शीघ्र ही शुरू होना चाहिए।